NEXT IAS

दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

भारत का सतत् विकास लक्ष्य पर ध्यान और मानव विकास संबंधी मुद्दे

www.nextias.com

भारत का सतत विकास लक्ष्य पर ध्यान और मानव विकास संबंधी मुद्दे

सन्दर्भ

- भारत ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) को प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। हालाँकि, यह रास्ता चुनौतियों से भरा है, विशेषकर मानव विकास के क्षेत्र में।

भारत और सतत विकास लक्ष्यों (SDGs) के बारे में

- **SDGs पर प्रगति:** 2023 में नई दिल्ली में G-20 शिखर सम्मेलन के दौरान SDGs के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रमुखता से उजागर किया गया, जहाँ वैश्विक नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र एजेंडा 2030 के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।
- संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में इसके बाद SDGs शिखर सम्मेलन ने इस मिशन की तात्कालिकता पर बल दिया। भारत ने कई क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार दिखाए हैं।
- भारत के लिए मानव विकास सूचकांक (HDI) मूल्य 1990 में 0.434 से बढ़कर 2022 में 0.644 हो गया, जो 48.4% की वृद्धि दर्शाता है।
- इसका श्रेय स्वास्थ्य, शिक्षा और आय के स्तर में प्रगति को दिया जाता है। हालाँकि, भारत अभी भी 193 देशों में से 134 वें स्थान पर है, जो दर्शाता है कि सुधार की बहुत गुंजाइश है।

भारत और सतत विकास लक्ष्य

- भारत अपने विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए कई प्रमुख सतत विकास लक्ष्यों (SDG) पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।
- **गरीबी उन्मूलन (SDG 1):** विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं और आर्थिक सुधारों के माध्यम से गरीबी को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं।
- **भूख मिटाओ (SDG 2):** सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम जैसी पहलों का उद्देश्य सभी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना है।
- **अच्छा स्वास्थ्य और कल्याण (SDG 3):** आयुष्मान भारत जैसे कार्यक्रम किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं।
- **गुणवत्तापूर्ण शिक्षा (SDG 4):** शिक्षा का अधिकार अधिनियम और विभिन्न छात्रवृत्ति कार्यक्रमों का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच बढ़ाना है।
- **लैंगिक समानता (SDG 5):** बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाएँ महिलाओं और लड़कियों की स्थिति में सुधार लाने पर ध्यान केंद्रित करती हैं।
- **स्वच्छ जल और स्वच्छता (SDG 6):** स्वच्छ भारत मिशन का उद्देश्य स्वच्छ पेयजल और स्वच्छता सुविधाएँ प्रदान करना है।
- **सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा (SDG 7):** प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसी पहल स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को बढ़ावा देती हैं।
- **सभ्य कार्य और आर्थिक विकास (SDG 8):** मेक इन इंडिया और स्किल इंडिया जैसे कार्यक्रमों का उद्देश्य रोजगार एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है।
- **उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढाँचा (SDG 9):** सतत औद्योगिकीकरण का समर्थन करने के

लिए बुनियादी ढाँचे और नवाचार में निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है।
- **असमानताओं में कमी (SDG 10):** आय असमानता को कम करने और सामाजिक समावेश सुनिश्चित करने के लिए नीतियों को लागू किया जा रहा है।
- **सतत शहर और समुदाय (SDG 11):** स्मार्ट सिटी मिशन सतत और लचीले शहरी क्षेत्रों के निर्माण पर केंद्रित है।
- **जलवायु कार्रवाई (SDG 13):** भारत विभिन्न पर्यावरण नीतियों के माध्यम से अपने कार्बन पदचिह्न को कम करने और जलवायु लचीलापन बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।
- **जल के नीचे जीवन (SDG 14) और भूमि पर जीवन (SDG 15):** समुद्री और स्थलीय पारिस्थितिकी तंत्र की रक्षा के लिए संरक्षण प्रयास किए जा रहे हैं।
- **शांति, न्याय और मजबूत संस्थान (SDG 16):** न्याय, पारदर्शिता और मजबूत संस्थानों को बढ़ावा देने के प्रयास किए जा रहे हैं।
- **लक्ष्यों के लिए साझेदारी (SDG 17):** भारत SDG को प्राप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और साझेदारी को बढ़ावा दे रहा है।

भारत की प्रगति

- **राष्ट्रीय रूपरेखा और समन्वय:** सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए भारत के दृष्टिकोण का मन्वय सरकार के प्रमुख नीति थिंक टैंक नीति आयोग द्वारा किया जाता है। नीति आयोग ने SDG इंडिया इंडेक्स विकसित किया है, जो विभिन्न SDG संकेतकों पर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की प्रगति को ट्रैक करता है।
  - यह प्रतिस्पर्धी और सहकारी संघवाद को बढ़ावा देता है, राज्यों को अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।
- **फोकस के प्रमुख क्षेत्र**
  - **गरीबी उन्मूलन (SDG 1):** प्रधानमंत्री आवास योजना और महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MGNREGA) जैसी पहलों के माध्यम से भारत ने गरीबी कम करने में पर्याप्त प्रगति की है।
  - **गुणवत्तापूर्ण शिक्षा (SDG 4):** शिक्षा का अधिकार अधिनियम और सर्व शिक्षा अभियान जैसी योजनाओं ने शिक्षा तक पहुँच में सुधार किया है, विशेषकर लड़कियों और हाशिए के समुदायों के लिए।
  - **लैंगिक समानता (SDG 5):** बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसे कार्यक्रमों ने महिलाओं को सशक्त बनाया है और लैंगिक समानता को बढ़ावा दिया है।
- **पर्यावरणीय स्थिरता:** पर्यावरणीय स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता जलवायु परिवर्तन (SDG 13) से निपटने और भूमि पर जीवन को बढ़ावा देने (SDG 15) के प्रयासों में स्पष्ट है।
  - भारत ने अपने हरित आवरण को बढ़ाने के लिए जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना और विभिन्न वनीकरण कार्यक्रम शुरू किए हैं।

- **स्वास्थ्य और कल्याण:** लाखों भारतीयों को स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करने के उद्देश्य से आयुष्मान भारत योजना अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण (SDG 3) को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल का उद्देश्य सभी के लिए स्वास्थ्य सेवा को सुलभ और किफायती बनाना है।

प्रमुख मानव विकास मुद्दे

- इन प्रयासों के बावजूद, भारत को मानव विकास से जुड़ी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। UNDP की नवीनतम मानव विकास रिपोर्ट (HDR) के अनुसार, भारत को 0.644 के HDI मूल्य के साथ 'मध्यम मानव विकास' के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है, जो 193 देशों में से 134वें स्थान पर है।
- यह स्वास्थ्य, शिक्षा और आय के स्तर में महत्वपूर्ण सुधार की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है।
- प्रगति के बावजूद, भारत को मानव विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। HDI रिपोर्ट में कई ऐसे क्षेत्रों पर प्रकाश डाला गया है, जहां भारत अपने पड़ोसियों से पीछे है।
  - उदाहरण के लिए, मलेशिया, थाईलैंड और चीन जैसे देशों की HDI रैंकिंग बेहतर है, जो भारत के प्रयासों को और तेज करने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।
- **स्वास्थ्य:** SDG-3 स्वस्थ जीवन सुनिश्चित करने और सभी उम्र के लोगों के लिए कल्याण को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। जबकि भारत ने बाल मृत्यु दर को कम करने और मातृ स्वास्थ्य में सुधार करने में प्रगति की है, कुपोषण और अपर्याप्त स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे जैसे मुद्दे अभी भी गंभीर चिंता का विषय बने हुए हैं।
  - हालाँकि आयुष्मान भारत जैसी पहल का उद्देश्य स्वास्थ्य सेवा में सुधार करना है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाओं तक पहुँच अभी भी सीमित है, विशेषकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रो में।
- **शिक्षा:** SDG-4 का उद्देश्य समावेशी और समान गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है। भारत ने स्कूल में नामांकन दर बढ़ाने में प्रगति की है, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता और स्कूल छोड़ने की दर, विशेष रूप से हाशिए पर पड़े समुदायों में, अभी भी चुनौतियां बनी हुई हैं।
  - जबकि नामांकन दर में सुधार हुआ है, शिक्षा की गुणवत्ता और सीखने के परिणाम चिंता का विषय बने हुए हैं। कई स्कूलों में पर्याप्त बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षित शिक्षकों की कमी है।
- **लैंगिक समानता:** SDG-5 लैंगिक समानता और सभी महिलाओं एवं लड़कियों के सशक्तीकरण पर बल देता है। भारत ने इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है, लेकिन शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में लैंगिक असमानताएँ बनी हुई हैं।
  - शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य में लैंगिक असमानताएँ महत्वपूर्ण चुनौतियाँ प्रस्तुत करती रहती हैं। सांस्कृतिक मानदंड और सामाजिक दृष्टिकोण प्रायः लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति में बाधा डालते हैं।
- **आर्थिक असमानता:** SDG-10 देशों के अंदर और उनके बीच असमानता को कम करने पर केंद्रित है। आय असमानता और गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसरों तक पहुँच की कमी प्रमुख मुद्दे हैं जिन्हें सतत विकास प्राप्त करने के लिए संबोधित करने की आवश्यकता है।
  - आय असमानता और क्षेत्रीय असमानताएँ देश भर में समान प्रगति में बाधा डालती हैं। जबकि शहरी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो सकता है, ग्रामीण क्षेत्र प्रायः पीछे रह जाते हैं।

अन्य चुनौतियाँ

- **गरीबी और बेरोजगारी:** आर्थिक विकास के बावजूद, गरीबी और बेरोजगारी लगातार बनी हुई है। बहुत से लोगों को अभी भी बुनियादी आवश्यकताओं और स्थिर रोजगार के अवसरों तक पहुँच की कमी है।
- **पर्यावरणीय गिरावट:** तेजी से औद्योगिकीकरण और शहरीकरण ने प्रदूषण, वनों की कटाई और जैव विविधता के हानि जैसे पर्यावरणीय मुद्दों को जन्म दिया है। ये चुनौतियाँ सतत विकास को प्राप्त करने के प्रयासों को जटिल बनाती हैं।
- **जल और स्वच्छता:** स्वच्छ भारत मिशन के तहत प्रगति के बावजूद, कई क्षेत्रों में स्वच्छ जल और स्वच्छता सुविधाओं तक पहुँच अभी भी अपर्याप्त है, जिससे स्वास्थ्य तथा कल्याण प्रभावित हो रहा है।
- **बुनियादी ढाँचे की कमी:** परिवहन, ऊर्जा और डिजिटल कनेक्टिविटी सहित अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा आर्थिक विकास और सेवाओं तक पहुँच को बाधित करता है।
- **शासन और संस्थागत क्षमता:** नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए मजबूत शासन और संस्थागत क्षमता की आवश्यकता होती है। भ्रष्टाचार और नौकरशाही की अक्षमताएँ विकास प्रयासों को कमजोर कर सकती हैं।
- **जलवायु परिवर्तन:** भारत जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है, जिसमें चरम मौसम की घटनाएँ शामिल हैं, जो विकास गतिविधियों को बाधित कर सकती हैं और वर्तमान चुनौतियों को बढ़ा सकती हैं।
- **संसाधन संबंधी बाधाएं:** सीमित वित्तीय और मानव संसाधन, सतत विकास लक्ष्य से संबंधित पहलों को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने और बढ़ाने की क्षमता को सीमित कर सकते हैं।

SDG कार्यान्वयन की केस स्टडीज

- भारत में सतत विकास लक्ष्य के क्रियान्वयन के कई सफल मामले हैं, जो अभिनव दृष्टिकोण और प्रभावशाली परिणामों को उजागर करते हैं।
- **स्वच्छ भारत मिशन (SBM):** इसका उद्देश्य खुले में शौच को खत्म करना और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार करना था। अक्टूबर 2019 तक, भारत ने स्वयं को खुले में शौच से मुक्त (ODF) घोषित कर दिया, जिसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 100 मिलियन से अधिक शौचालयों का निर्माण किया गया।
    - इसने स्वच्छता और सफाई में उल्लेखनीय सुधार किया, जिससे बेहतर स्वास्थ्य परिणाम और पर्यावरणीय स्थिरता में योगदान मिला।
- **आकांक्षी जिला कार्यक्रम (ADP):** यह स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और बुनियादी ढांचे में प्रमुख संकेतकों में सुधार करके भारत के 112 सबसे अविकसित जिलों को बदलने पर केंद्रित है।
    - यह अंतराल की पहचान करने और लक्षित हस्तक्षेपों को लागू करने के लिए डेटा-संचालित दृष्टिकोण का उपयोग करता है, जिसके परिणामस्वरूप इन जिलों में उल्लेखनीय सुधार हुए हैं।
- **प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (PMUY):** इसका उद्देश्य ग्रामीण परिवारों को स्वच्छ खाना पकाने का ईंधन उपलब्ध कराना है।

    - गरीबी रेखा से नीचे (BPL) परिवारों की महिलाओं को सब्सिडी वाले LPG कनेक्शन प्रदान करके, इस योजना ने घर के अंदर वायु प्रदूषण को कम करके और महिलाओं को सशक्त बनाकर स्वास्थ्य परिणामों में सुधार किया है।
- **राष्ट्रीय सौर मिशन:** SDG 7 (सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा) के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में, भारत ने 2010 में राष्ट्रीय सौर मिशन शुरू किया। इस मिशन का उद्देश्य देश के ऊर्जा मिश्रण में सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना है।
    - 2022 तक, भारत ने 40 गीगावाट से अधिक सौर क्षमता स्थापित कर ली थी, जो इसके नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।
- **डिजिटल इंडिया पहल:** इसका उद्देश्य भारत को डिजिटल रूप से सशक्त समाज और ज्ञान अर्थव्यवस्था में परिवर्तित करना है।
    - डिजिटल बुनियादी ढांचे में सुधार, इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाने और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के माध्यम से, यह पहल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा (SDG 4), सभ्य कार्य एवं आर्थिक विकास (SDG 8), और उद्योग, नवाचार तथा बुनियादी ढांचे (SDG 9) सहित कई SDG का समर्थन करती है।
- **हरित विकास पहल:** इलेक्ट्रिक वाहनों और सतत कृषि प्रथाओं को बढ़ावा देने जैसी विभिन्न हरित विकास पहल भारत को अपने जलवायु कार्रवाई लक्ष्यों (SDG 13) को प्राप्त करने में मदद कर रही हैं।
    - ये पहल कार्बन उत्सर्जन को कम करने, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं।

विश्व के प्रति भारत के दृष्टिकोण से सीख

- **डेटा-संचालित निर्णय लेना:** भारत द्वारा अंतराल की पहचान करने और प्रगति की निगरानी करने के लिए डेटा का उपयोग, विशेष रूप से आकांक्षी जिला कार्यक्रम जैसी पहलों के माध्यम से, साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण के महत्व को उजागर करता है।
    - डेटा एनालिटिक्स का लाभ उठाकर, देश हस्तक्षेपों को बेहतर ढंग से लक्षित कर सकते हैं और संसाधनों को कुशलतापूर्वक आवंटित कर सकते हैं।
- **सामुदायिक जुड़ाव:** स्वच्छ भारत मिशन जैसे कार्यक्रमों ने बड़े पैमाने पर व्यवहार परिवर्तन को प्राप्त करने में सामुदायिक भागीदारी की शक्ति को दिखाया है।
    - स्थानीय समुदायों और हितधारकों को शामिल करने से यह सुनिश्चित होता है कि पहल सांस्कृतिक रूप से प्रासंगिक और व्यापक रूप से स्वीकृत हैं, जिससे अधिक सतत परिणाम प्राप्त होते हैं।
- **सार्वजनिक-निजी भागीदारी:** नवीकरणीय ऊर्जा और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में भारत की सफलता सार्वजनिक-निजी भागीदारी के लाभों को रेखांकित करती है।
    - निजी क्षेत्र के साथ सहयोग करने से अतिरिक्त विशेषज्ञता, नवाचार और वित्त पोषण मिल सकता है, जिससे SDG की दिशा में प्रगति में तीव्रता आ सकती है।
- **मापनीय समाधान:** प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना जैसे बड़े पैमाने के कार्यक्रमों को लागू करने की भारत की क्षमता, मापनीय समाधान डिजाइन करने के महत्व को दर्शाती है।

    - देश राष्ट्रव्यापी विस्तार से पहले छोटे पैमाने पर पहलों को विकसित करना और उनका संचालन करना सीख सकते हैं।
- **समावेशी नीतियाँ:** समावेशिता पर ध्यान केंद्रित करना, जैसा कि लैंगिक असमानता को कम करने और शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में सुधार करने के भारत के प्रयासों में देखा गया है, महत्वपूर्ण है।
    - हाशिए पर अधिक कमज़ोर जनसँख्या की ज़रूरतों को पूरा करने वाली नीतियाँ यह सुनिश्चित करती हैं कि विकास प्रक्रिया में कोई भी पीछे न छूटे।
- **अभिनव वित्तपोषण:** भारत ने SDG कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए ग्रीन बॉन्ड और सोशल इम्पैक्ट बॉन्ड सहित विभिन्न अभिनव वित्तपोषण तंत्रों की खोज की है।
    - ये वित्तीय साधन अतिरिक्त संसाधन जुटा सकते हैं और सतत विकास परियोजनाओं में निवेश आकर्षित कर सकते हैं।
- **मजबूत संस्थागत ढाँचा:** प्रभावी SDG कार्यान्वयन के लिए मजबूत संस्थानों और शासन ढाँचों का निर्माण आवश्यक है।
    - संस्थानों को मजबूत करने और पारदर्शिता एवं जवाबदेही में सुधार करने पर भारत का जोर अन्य देशों के लिए एक मॉडल के रूप में कार्य कर सकता है।
- **अनुकूलनशीलता और लचीलापन:** COVID-19 महामारी के लिए भारत की प्रतिक्रिया, जिसमें संसाधनों और अनुकूली रणनीतियों का तेजी से जुटाना शामिल था, लचीलेपन के महत्व को उजागर करता है।
    - देश लचीली प्रणाली बनाना सीख सकते हैं जो उभरती चुनौतियों और संकटों का तुरंत प्रत्युत्तर दे सकें।
- **अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:** वैश्विक मंचों पर भारत की सक्रिय भागीदारी और अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन जैसी पहलों में इसका नेतृत्व अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के महत्व को दर्शाता है।
    - अन्य देशों के साथ ज्ञान, सर्वोत्तम प्रथाओं और संसाधनों को साझा करने से सतत विकास लक्ष्यों की दिशा में सामूहिक प्रगति को बढ़ावा मिल सकता है।

निष्कर्ष और आगे की राह

- **स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों को मजबूत करना:** स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में निवेश करना, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना और कुपोषण को दूर करना महत्वपूर्ण कदम हैं।
- **शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार:** शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाना, ड्रॉपआउट दरों को कम करना और समाज के सभी वर्गों के लिए शिक्षा तक समान पहुँच सुनिश्चित करना।
- **लैंगिक समानता को बढ़ावा देना:** शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने वाली नीतियों को लागू करना।
- **आर्थिक असमानता को कम करना:** अधिक रोजगार के अवसर सृजित करना, उचित वेतन सुनिश्चित करना और कमज़ोर जनसँख्या का समर्थन करने के लिए सामाजिक सुरक्षा जाल लागू करना।

- SDG प्राप्त करने की दिशा में भारत की यात्रा इसके दृढ़ संकल्प और लचीलेपन का प्रमाण है। जबकि महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, मानव विकास के मुद्दों को संबोधित करना सतत विकास के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए आवश्यक है। इन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करके, भारत अधिक न्यायसंगत और समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकता है।

Source: TH

दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न
प्रश्न. सतत विकास लक्ष्यों (SDG) पर भारत के फोकस ने गरीबी, असमानता और स्वास्थ्य देखभाल असमानताओं जैसी लगातार मानव विकास चुनौतियों का कितनी प्रभावी ढंग से समाधान किया है?